कार्मल कॉनवेन्ट सी0 से0 स्कूल बी0एच0ई0एल0 भोपाल

पाठ्यक्रम 2016–17 कक्षा – नवमीं
विषय – हिंदी

पाठ्य पुस्तकें– क्षितिज भाग 1, कृतिका भाग 1, मानक हिंदी व्याकरण एवं रचना (सरस्वती)।

एफए – 1 (लिखित परीक्षा)

काव्य खंड – कबीर की साखियाँ एवं सबद, ललद्यद–वाख।

गद्य खंड – दो बैलों की कथा, ल्हासा की ओर, इस जल प्रलय में (कृतिका)।

व्याकरण– शब्द निर्माण–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, मानवीकरण।

टूल क्र0 1 – असाइनमेंट (प्रश्न–उत्तर)।

टूल क्र0 2 – परियोजना कार्य।

एफए – 2 (लिखित परीक्षा)

काव्य खंड – सवैये (रसखान), कैदी और कोकिला, ग्राम श्री।

गद्य खंड – उपभोक्तावाद की संस्कृति, साँवले सपनों की याद, मेरे संग की औरतें (कृतिका)।

व्याकरण– अर्थ के आधार पर वाक्य भेद, अलंकार, प्रतिवेदन लेखन।

टूल क्र0 1 – काव्य पाठ– देशभक्ति,

टूल क्र0 2 – परियोजना कार्य (भक्ति काल)

एसए – 1

क्षितिज गद्य खंड

दो बैलों की कथा, ल्हासा की ओर, उपभोक्तावाद की संस्कृति, साँवले सपनों की याद।

क्षितिज पद्य खंड

कबीर की साखियाँ एवं सबद, ललद्यद–वाख, सवैये (रसखान), कैदी और कोकिला, ग्राम श्री।

कृतिका

इस जल प्रलय में, मेरे संग की औरतें ।

मानक हिंदी व्याकरण एवं रचना

शब्द निर्माण–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, मानवीकरण, अर्थ के आधार पर वाक्य भेद, पत्र लेखन, निबंध लेखन, प्रतिवेदन लेखन, अपठित गंद्यांश–काव्यांश।

एफए – 3 (लिखित परीक्षा)

काव्य खंड – चन्द्र गहना से लौटती बेर, मेघ आए।

गद्य खंड – नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया, प्रेमचंद के फटे जूते, रीढ़ की हड्डी, माटी वाली (कृतिका)।

व्याकरण– शब्द निर्माण–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, मानवीकरण, निबंध लेखन।

टूल क्र0 1 – प्रतिवेदन लेखन।

टूल क्र0 2 – नुक्कड़ नाटक

एफए – 4 (लिखित परीक्षा)

टूल क्र0 1 – बहुवैकल्पिक प्रश्न

टूल क्र0 2 – मंच संचालन

एसए – 2

क्षितिज गद्य खंड

नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया, प्रेमचंद के फटे जूते, मेरे बचपन के दिन, एक कुत्ता और एक मैना।

क्षितिज पद्य खंड

चन्द्र गहना से लौटती बेर, मेघ आए, यमराज की दिशा, बच्चे काम पर जा रहे हैं।

कृतिका

रीढ़ की हड्डी, माटी वाली, किस तरह आखिर मैं हिंदी में आया।

मानक हिंदी व्याकरण एवं रचना

शब्द निर्माण–उपसर्ग, प्रत्यय, समास, अलंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिश्योक्ति, मानवीकरण, अर्थ के आधार पर वाक्य भेद, पत्र लेखन, निबंध लेखन, प्रतिवेदन लेखन, अपठित गंद्यांश–काव्यांश।